

Electrical Engineering Evening  
II<sup>nd</sup> - Year

EEE - II<sup>nd</sup> Year

Sub. - E.C.

AKHILESH TRIVEDI

गतांक में उर्जा वचाने के लिए मोटर,  
पम्प तथा D.M. सेट के विद्ये जाने वाले  
उपयोग पर चर्चा की गई थी। इसी क्रम  
में रिहाइसी बिल्डिंग में उर्जा के  
आव्याचेक उपयोग, ठंडा, गर्म तथा प्रकाश  
इस इलेक्टर (Elevator) के रूप में दिया  
जाता है।

उर्जा संरक्षण के दृष्टि से Energy  
द्वारा बिल्डिंग के चिन्हित करने का  
कार्य किया गया है जिसे E.C.B.C.  
अर्थात् Energy Conservation Building Code  
नाम दिया गया है। इस अनुरा  
बिल्डिंग में उर्जा वचाने के लिए  
निम्न प्रकार वर्णित हैं। इस  
प्रमुख बातें निम्न हैं

- ① Building का ठोका उन पराचों का बना  
होना चाहिए जिससे उस क्षेत्र में प्रयोग  
करने के उर्जा कम हो। अर्थात्  
गोठे साल में 9 महीने ठंडा हो वहां  
कमरे के ठंडाई के दिवाल, छत, रिपडरी  
तनी हुई होनी चाहिए जो उष्मा का  
बुखालन है। रिपडरी का अधिक प्रयोग  
करना चाहिए ताकि प्रकार के लिए विद्युत  
पर निर्भर न रहे।  
इसके विपरीत जो 9 महीने के उष्ण  
जमी उष्ण है वहां के दिवाल  
पर Reflector लगाकर, रिपडरी पर थर्मोकोल का  
Fulcr सीलिंग कर देना चाहिए जिससे वहां  
के कमरा ठंडा होगा तथा जमी ऊपर की ओरगी

⑤ Solar Energy का पानी गर्म करने, बँदी  
चाहिए। इ लिये अधिकतम उपयोग करना  
चाहिये।

⑥ आम जनता (Public) के लिये सहज मार्ग दर्शन  
के लिये भारतीय से निम्न ZONE के  
मौसम के हिसाब से बँट दिया गया है।  
आरक्षित के निर्माण के लिये समय आप  
रहना है उसी के हिसाब से मौसम के हिसा  
डिजाइन कर के दे देंगे और जो Energy  
Efficient है -

- ① Moderate Temp Zone जैसे बंगलौर
- ② Cold Zone जैसे Eto Nagar
- ③ Hot-Dry - जैसे AHMEDABAD
- ④ Warm-Humid - जैसे कोलकाता, भुवनेश्वर
- ⑤ Composite - जैसे चण्डीगढ़, दिल्ली आदि

उपरोक्त का हवा का हवा का हवा का हवा  
उज्जा लयाई जा अर्थात् है।  
कमरा: